4.

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

अध्याय चतुर्थ
प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

4.1 प्रस्तावना

वर्तमान अध्याय में, विश्लेषण और व्याख्या कर अध्ययन के उद्देश्यों के संदर्भ में आंकड़े प्रस्तुत किए गए। इसका मूल उद्देश्य विश्लेषित आंकड़ों को सार्थक रूप में व्यवस्थित करना है ताकि वैध निष्कर्ष निकाले जा सके।

आंकड़ा विश्लेषण,आंकड़ों की जांच करने, उनकी सफाई करने उनको परिवर्तित करने तथा उनको मॉडल करने की प्रक्रिया का नाम है ,जो उपयोगी सूचना का अन्वेषण करने ,निष्कर्ष प्रस्तुत करने , तथा निर्णय लेने में सहायता प्राप्त करने के उद्देश्य से की जाती है।

आंकड़ा विश्लेषण करने के पीछे का कारण सीधे तौर पर उपयोगी जानकारियां जुटाना है ताकि जुटाई गई जानकारी के अनुसार आगे की प्रभावी रणनीति तैयार की जा सके और उपयुक्त कदम उठाए जा सकें।

आंकड़ा विश्लेषण की विभिन्न तकनीकी उपलब्ध हैं जिनमें से आप कौन सी तकनीकी का उपयोग करते हैं, वह आपकी जरूरत पर निर्भर करता है। इसमें विश्लेषणकर्ता उन सभी तत्वों को ढूंढता है जो आपकी लक्ष्य से संबंधित हो, इस चरण में आंकड़ों में काफी बदलाव किया जाता है ताकि आंकड़ों के चरों में समानता ढूंढी जा सके और इससे अपनी जरूरत के अनुसार जानकारियां प्राप्त की जा सके।

आंकड़ा विश्लेषण और व्याख्या, विधि और गुणात्मक / मात्रात्मक स्थिति की परवाह किए बिना, निम्नलिखित विशेषताएं शामिल कर सकते हैं:

- आंकड़ों की पहचान और स्पष्टीकरण
- आंकड़ों की तुलना और इसके विपरीत
- डेटा आउटलेर्स की पहचान
- भावी भविष्यवाणियां

आंकड़ा विश्लेषण और व्याख्या, अंत में, प्रक्रियाओं में सुधार और समस्याओं की पहचान करने में मदद करता है। न्यूनतम डेटा संग्रह और व्याख्या के बिना, भरोसेमंद सुधार और विकास करना मुश्किल है।

आंकड़ा विश्लेषण की विभिन्न तकनीकी उपलब्ध हैं जिनमें से आप कौन सी तकनीकी का उपयोग करते हैं, वह आपकी जरूरत पर निर्भर करता है।

इस चरण में विश्लेषण करता उन सभी तत्वों को ढूंढता है जो आपकी लक्ष्य से संबंधित हो। इस चरण में आंकड़ों में काफी बदलाव किया जाता है ताकि आंकड़ों के चरों में समानता ढूंढी जा सके और इससे अपनी जरूरत के अनुसार जानकारियां प्राप्त की जा सकें।

4.2 विश्लेषण

अध्ययन के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए आंकड़ों का विश्लेषण निम्न आधार पर है-

- **शिक्षकों की समावेशी शिक्षा की स्थिति का अध्ययन**-शिक्षकों एवं विद्यालयीन प्रशासनिक अधिकारियों की समावेशी शिक्षा की स्थिति का अध्ययन करने के लिए प्रश्नावली को अपने शोध प्रश्नों के आधार पर तीन भागों में विभाजित किया जो निम्न हैं-

	प्रश्न संख्या	परिणाम		
		सहमत	अनिश्चित	असहमत
1.शिक्षकों की समावेशित के प्रति जागरूकता पर आधारित प्रश्न	5	41.1%	20.5%	38.4%
2.शिक्षकों की प्रशासनिक सुविधाओं की जानकारी आधारित प्रश्न	5	45.8%	7.5%	46.7%
3.शिक्षकों की दृष्टि बाधित विद्यार्थियों के समावेशन की समस्याओं पर आधारित प्रश्न।	10	72.1%	8.2%	19.7%

व्याख्या

उपरोक्त तालिका से ज्ञात होता है कि 41.1%शिक्षक समावेशी शिक्षा के प्रति जागरुक है तथा 38.4% विद्यार्थी जागरुक नहीं है, इसी प्रकार केवल45.8% शिक्षकों को समावेशी शिक्षा हेतु प्रदेय प्रशासनिक सुविधाओं की जानकारी है तथा 46.7% शिक्षकों को इस संबंध में जानकारी नहीं है तथा 72.1% शिक्षकों को दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के समावेशन में समस्याओं का सामना करना होता है।

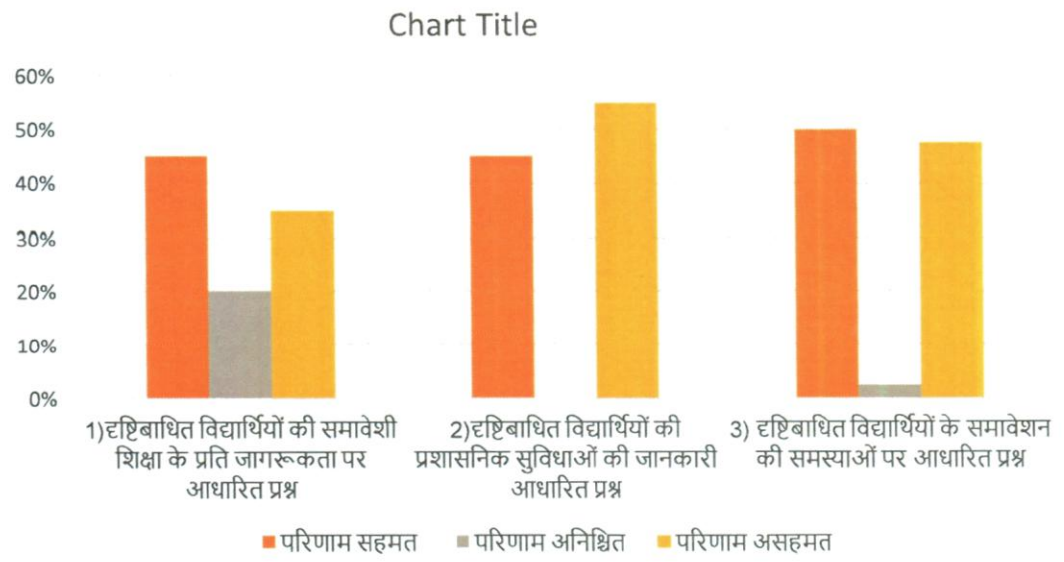

- **दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की समावेशी शिक्षा की स्थिति का अध्ययन** - दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के समावेशन की स्थिति के अध्ययन के लिए प्रश्नावली को अपने शोध प्रश्नों के आधार पर तीन भागों में विभाजित किया जो निम्न है-

	प्रश्न संख्या	परिणाम		
		सहमत	अनिश्चित	असहमत
1)दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की समावेशी शिक्षा के प्रति जागरूकता पर आधारित प्रश्न	4	45%	20%	35%
2)दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की प्रशासनिक सुविधाओं की जानकारी आधारित प्रश्न	4	45%	0%	55%
3) दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के समावेशन की समस्याओं पर आधारित प्रश्न	7	50%	2.5%	47.5%

व्याख्या

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि 45% दृष्टिबाधित विद्यार्थी समावेशी शिक्षा के प्रति जागरूक हैं तथा 35% को इसकी जानकारी नहीं है तथा केवल 45% छात्रों को ही दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को प्राप्त प्रशासनिक सुविधाओं की जानकारी है तथा 55% विद्यार्थियों को नहीं । 50% विद्यार्थियों का विद्यालय में समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

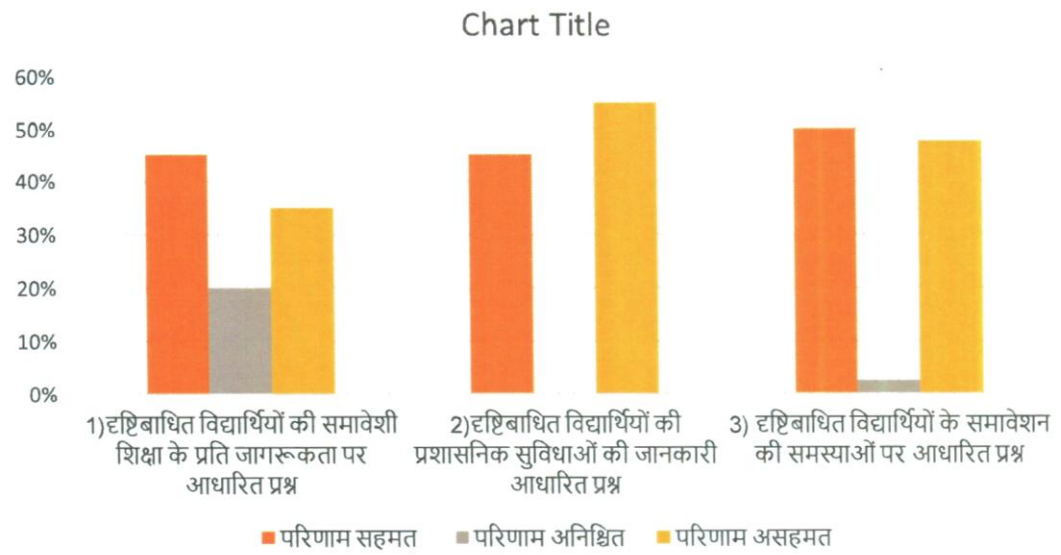

शिक्षकों के लिए प्रश्नावली का प्रश्न आधारित विश्लेषण।

प्रश्न	सहमत	अनिश्चित	असहमत
१) सभी दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को समावेशी शिक्षा के अंतर्गत अन्य बच्चो के साथ पढ़ना चाहिए	35%	5%	60%
२) समावेशी शिक्षा अन्य विद्यार्थियों की सफलता के स्तर को कम करती है	50%	10%	40%
३) अधिकांश बच्चे सामान्य कक्षा में दृष्टिबाधित बच्चो के साथ पढ़ना पसंद नहीं करते	70%	15%	15%
४) जब दृष्टिबाधित एवं सामान्य विद्यार्थी उसी कक्षा में साथ -साथ पढ़ते हैं तो दोनों को लाभ होता है	40%	20%	40%
५) अधिकांश अन्य विद्यार्थी दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के साथ खेलो में भाग लेना पसंद करते हैं	15%	25%	60%
६) अन्य छात्रों के अभिवावक अपने बच्चो को दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के साथ पढ़ना पसंद नहीं करते	65%	5%	30%
७) समावेशी शिक्षा अन्य बच्चो का समय बर्बाद करती है	60%	5%	35%
८) आप समावेशी शिक्षा में पढ़ाने में असहज महसूस करते हैं	80%	0%	20%

९) दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए अन्य विभागों को सहयोग करना चाहिए	95%	0%	5%
१०) समावेशी शिक्षा में दृष्टिबाधित विद्यार्थियों का आत्मविश्वास कम होता है	75%	0%	25%
११) दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की उपस्थिति के कारण पाठ्क्रम में संशोधन करना चाहिए	90%	5%	5%
१२) समावेशित शिक्षा में उपचारात्मक कक्षा आवश्यक होनी चाहिए	100%	0%	0%
१३) नियमित कक्षा में विशिष्ठ छात्रों को शामिल करने के लिए सामान्य रूप से एक प्रभावी रणनीति हों चाहिए	95%	5%	0%
१४) शिक्षकोएवं प्रबंधन को समावेशी शिक्षा में किये गए कार्यो की जानकारी है	40%	10%	50%
१५) शिक्षक को समावेशी शिक्षा के सम्बन्ध में स्कूल प्रबंधन को रचनात्मक रणनीतयो के बारे में सुझाव देना चाहिए	70%	15%	15%
१६) आपके विद्यालय के शिक्षक दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए दक्ष है	10%	5%	85%
१७) आपको ब्रेल का ज्ञान है	0%	0%	100%
१८) आपका विद्यालय समावेशित शिक्षा प्रदान करने का समर्थक है	60%	25%	15%

१९) आपकी मूल्याङ्कन प्रणाली दृष्टिबाधित बच्चो को सरल एवं रुचिकर लगती है	35%	50%	15%
२०) आपके विद्यालय में शिक्षक दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के मूल्याङ्कन की योग्यता रखता है	25%	25%	50%

व्याख्या

उपरोक्त तालिका के ध्यानपूर्वक विश्लेषण से ज्ञात होता है कि केवल 35% शिक्षक ही मानते हैं कि सभी दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को समावेशी शिक्षा में पढ़ाना चाहिए तथा 50% शिक्षक मानते हैं कि समावेशी शिक्षा अन्य विद्यार्थियों की सफलता के स्तर को कम करती है तथा 70% शिक्षक मानते हैं कि दृष्टिबाधित विद्यार्थी सामान्य विद्यार्थियों के साथ पढ़ना पसंद नहीं करते तथा 60% शिक्षक मानते हैं कि दृष्टिबाधित विद्यार्थी सामान्य विद्यार्थियों के साथ खेल में भाग लेना पसंद नहीं करते तथा 65% मानते हैं कि सामान्य विद्यार्थियों के अभिभावक अपने बच्चों को दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के साथ पढ़ाना पसंद नहीं करते। 60% शिक्षक मानते हैं कि समावेशी शिक्षा अन्य बच्चों का समय बर्बाद करती है,तथा 80% शिक्षक समावेशी शिक्षा में पढ़ाने में असहज महसूस करते हैं। लगभग सभी शिक्षक मानते हैं कि दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए अन्य विभागों को सहयोग करना चाहिए तथा 75% शिक्षक मानते हैं कि समावेशी शिक्षा में दृष्टिबाधित विद्यार्थियों का आत्मविश्वास कम होता है तथा लगभग सभी शिक्षक मानते हैं कि समावेशी शिक्षा दृष्टिबाधित विद्यार्थियों का आत्मविश्वास कम होता है सभी शिक्षक मानते हैं कि समावेशी शिक्षा हेतु पाठ्यक्रम में परिवर्तन करना चाहिए तथा मानते हैं कि विशिष्ट विद्यार्थियों को सामान्य विद्यार्थियों के साथ अध्ययन कराने के लिए प्रभावी रणनीति होनी चाहिए। 70% शिक्षक मानते हैं कि विद्यालय प्रबंधन को रचनात्मक नीतियों के बारे में सुझाव देना चाहिए तथा केवल 10 %शिक्षक ही दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए दक्ष है तथा किसी भी शिक्षक को ब्रेल का ज्ञान नहीं है तथा केवल 60% विद्यालय ही समावेशी शिक्षा प्रदान करने के समर्थक हैं। केवल 25% शिक्षक मानते हैं कि विद्यालय दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के मूल्यांकन की योग्यता रखता है।

दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए प्रश्नावली का प्रश्न आधारित विश्लेषण -

क्र	प्रश्न	सहमत	अनिश्चित	असहमत
१)	सभी दृष्टिबाधित बच्चो को समावेशी शिक्षा के अंतर्गत पढ़ाना चाहिए	100%	0%	0%
२)	आपको सरकार द्वारा दृष्टिबाधित बालको को प्रदेय सुविधाओं की जानकारी है	60%	0%	40%
३)	आपको शिक्षण हेतु आवश्यकतानुसार शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई जाती है	0%	0%	100%
४)	शिक्षक शिक्षण सामग्री के उपयोग की जानकारी आपको पूर्व में ही प्रदान करते हैं	40%	0%	60%
५)	आपके साथियो का व्यवहार आपके साथ सामान्य है	40%	0%	60%
६)	आवागमन सम्बन्धी कठिनाई में आपके साथी आपका सहयोग करते है	60%	0%	40%
७)	विद्यालय में आपके शिक्षक का व्यवहार आपके साथ सामान्य है	60%	0%	40%
८)	आप स्वयं को सामान्य बालको के साथ सहज महसूस करते हैं	40%	0%	60%
९)	विद्यालय में आवागमन में आपको समस्याओ का सामना करना होता है	60%	0%	40%
१०)	विद्यालय के प्राचार्य आपकी समस्याओ का समाधान करते हैं	100%	0%	0%
११)	कक्षा में शिक्षण के दौरान शिक्षक द्वारा समझाई गयी बाटे आओ समझ पते हैं	60%	0%	40%
१२)	शिक्षण के दौरान आने वाली कठिनाइयों को क्या आप शिक्षक से पूछने में सहज महसूस करते हैं	20%	40%	40%
१३)	शिक्षण संबंधी कठिनाइयों में आपके साथी आपका सहयोग करते हैं	20%	20%	60%
१४)	आवागमन सम्बन्धी कठिनाई में आपके साथी आपका सहयोग करते है	80%	0%	20%

१५)	शिक्षको द्वारा मूल्याङ्कन आपको रुचिकर एवं सरल लगता है	0%	40%	60%

व्याख्या

उपरोक्त तालिका के ध्यानपूर्वक विश्लेषण से ज्ञात होता है कि सभी दृष्टिबाधित विद्यार्थी मानते हैं कि दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को समावेशित शिक्षा के अंतर्गत पढ़ना चाहिए तथा 60% विद्यार्थियों को, दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को प्रदेय सुविधाओं की जानकारी है तथा सभी विद्यार्थी मानते हैं की उन्हें शिक्षण हेतु आवश्यक सामग्री उपलब्ध नहीं कराई जाती तथा केवल 40% विद्यार्थी मानते कि शिक्षक शिक्षण सामग्री के उपयोग की जानकारी पूर्व में प्रदान कर देते हैं। 40% विद्यार्थी मानते हैं कि उनके साथियों का व्यवहार उनके साथ सामान्य है किन्तु 60% विद्यार्थी मानते हैं कि आवागमन संबंधी कठिनाई में उनका सहयोग करते हैं तथा शिक्षकों का व्यवहार उनके साथ सामान्य है तथा 60% विद्यार्थी मानते हैं कि वे अन्य विद्यार्थियों के सामने स्वयं को असहज महसूस करते हैं तथा मानते हैं कि में उन्हें ही कठिनाइयों का सामना करना होता है किंतु समझाई बातों को आसानी से समझ पाते है ,40% विद्यार्थी मानते हैं की वे शिक्षक से अपनी शैक्षिक समस्याओं को पूछने में सहज नहीं है,तथा उनके साथी उनका सहयोग नहीं करते।80% प्रतिशत विद्यार्थी ये मानते हैं कि आवागमन सम्बन्धी कठिनाई में साथी उनका सहयोग करते हैं तथा सभी विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान करते हैं।